वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 15 | शनिवार 13 जून 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

भाजपा किसान मोर्चा की ओर से किसान महाकुंभ के तहत
एसएमएस इंडोर स्टेडियम में प्राकृतिक खेती को लेकर प्रदेश स्तरीय कार्यशाला आयोजित

खेती नहीं, पाप कर रहे हैं हम, भविष्य की पीढ़ी माफ नहीं करेगी: देवव्रत

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने प्राकृतिक खेती का आह्वान किया और कहा, मिट्टी को बचाने के लिए प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ना होगा

कार्यशाला में प्रदेशभर से बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए

खेती सबसे ज्यादा मेहनत से कमाया गया धन

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा की ओर से आयोजित किसान महाकुंभ के तहत शुक्रवार को जयपुर के एसएमएस इंडोर स्टेडियम में प्राकृतिक खेती को लेकर प्रदेश स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में प्रदेशभर से बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। कृषि क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों ने किसानों को प्राकृतिक खेती के महत्व और तकनीकों की जानकारी दी। कार्यशाला के मुख्य वक्ता गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि किसान धरती का पालनकर्ता है और उसे राजाओं का राजा कहा जाता है, क्योंकि वही प्राणी मात्र का पेट भरता है। उन्होंने कहा कि खेती सबसे ज्यादा मेहनत से कमाया गया धन है, लेकिन अब 'हम खेती नहीं, पाप कर रहे हैं, भविष्य की पीढ़ी हमें माफ नहीं करेगी।' वहीं, कार्यशाला में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मजाकिया अंदाज में कैलाश चौधरी के लक्ष्य की ओर इशारा किया। राठौड़ ने कहा कि इनकी नजरें ऊंची हैं, उन्हें सफलता जरूर मिलेगी।

खेती को ठीक रखेंगे तो आने वाली पीढ़ी याद रखेगी: मुख्यमंत्री

भजनलाल शर्मा ने प्राकृतिक खेती के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि पहले गांवों में खेती पारंपरिक तरीके से होती थी, लेकिन समय के साथ रासायनिक खाद का उपयोग बढ़ा। उन्होंने कहा कि हमें यह सोचना होगा कि हम अपनी आने वाली पीढ़ी को कैसी जमीन सौंपकर जाएंगे। हमारे पूर्वजों ने कठिनाइयों के बावजूद जमीन को बचाकर रखा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती अपनाने में शुरूआत के एक-दो साल परेशानी आ सकती है, लेकिन इसके बेहतर परिणाम मिलेंगे। उन्होंने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनकी एक जमीन के हिस्से में कभी यूरिया का उपयोग नहीं किया गया और आज वहां भी पड़ोसी खेतों के बराबर उत्पादन हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को दिन में बिजली देने के वादे पर काम कर रही है और 26 जिलों में किसानों को दिन में बिजली दी जा रही है। राजस्थान अब बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है।

कैलाश चौधरी की नजरें ऊंची : राठौड़

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कैलाश चौधरी की कार्यशैली और संगठन में योगदान की प्रशंसा की। राठौड़ ने कहा कि कैलाश चौधरी पहले किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रहे और इसके बाद केंद्रीय मंत्री की जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने कहा कि संगठन में काम करने वाले कार्यकर्ताओं को पार्टी हमेशा आगे बढ़ने का अवसर देती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि भागीरथ चौधरी और सांवरलाल जाट भी संगठन से आगे बढ़कर केंद्रीय मंत्री बने। राठौड़ ने कहा कि कैलाश चौधरी की नजरें ऊंची हैं और उन्हें सफलता जरूर मिलेगी। उन्होंने कहा कि 'पूत के पग पालने' में ही दिख जाते हैं।

गांव-ढाणी तक चलेगा जागरूकता अभियान

किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कैलाश चौधरी ने कहा कि आज प्राकृतिक खेती को लेकर प्रदेश स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई है। उन्होंने कहा कि किसानों को प्राकृतिक खेती के महत्व और इसके लाभों से जोड़ने के लिए यह अभियान अब जिला स्तर तक पहुंचाया जाएगा। इसके बाद विधानसभा स्तर और गांव-ढाणी तक कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। चौधरी ने कहा कि उद्देश्य अधिक से अधिक किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए जागरूक करना है, ताकि खेती की लागत कम हो, मिट्टी की उर्वरता बनी रहे और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर कृषि व्यवस्था तैयार हो सके। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान किया। कार्यशाला में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, भाजपा संगठन महामंत्री अजेय कुमार, किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर, केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी, डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा, गृह राज्य मंत्री जवाहर बेढम, मंत्री अविनाश गहलोत समेत अन्य नेता मौजूद रहे।

जैविक खेती और प्राकृतिक खेती अलग-अलग

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि जैविक खेती और प्राकृतिक खेती अलग-अलग हैं। उन्होंने कहा कि जैविक खेती भारत की परंपरागत खेती नहीं है। प्राकृतिक खेती में लागत कम होती है और मिट्टी की गुणवत्ता बनी रहती है। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वे स्वयं खेती करते हैं, हल चलाते हैं और गाय का दूध निकालते हैं। उन्होंने दावा किया कि प्राकृतिक खेती से रासायनिक खेती की तुलना में बेहतर उत्पादन लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि गुजरात में लाखों किसान प्राकृतिक खेती अपना चुके हैं और इससे यूरिया व रासायनिक खाद की खपत में कमी आई है। उन्होंने कहा कि जंगल में कोई यूरिया, डीएपी या खाद डालने नहीं जाता, फिर भी वहां की वनस्पतियों में प्राकृतिक गुण होते हैं।

जुनून और सुकून के बिना कोई भी कार्य सफल नहीं होताः अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

मुनखोसला (गुजरात). शाबाश इंडिया

अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज की अहिंसा संस्कार पदयात्रा दीक्षा भूमि परतापुर से पुष्पगिरी की ओर निरंतर अग्रसर है। इसी क्रम में आज विहार के दौरान उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि जुनून और सुकून के बिना कोई भी कार्य सफल नहीं हो सकता। उन्होंने एक प्रेरणादायक प्रसंग सुनाते हुए कहा कि एक धनपति तीर्थयात्रा के लिए निकला। वह अत्यंत चुस्त-दुरुस्त, चतुर और होशियार व्यक्ति था। यात्रा के दौरान ट्रेन में उसकी सामने वाली बर्थ पर बैठे एक यात्री से परिचय हुआ। बातचीत के दौरान उस यात्री ने कहा, मैं भी पहली बार तीर्थयात्रा पर निकला हूँ। अब हम एक से दो हो गए हैं। आपकी संगति से मेरी यात्रा भी सफल हो जाएगी। उसने आगे कहा, यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की सेवा हो तो अवश्य बताइएगा। इस बहाने मुझे भी सेवा करने और तीर्थ का पुण्य अर्जित करने का अवसर मिल जाएगा। यात्रा आगे बढ़ती रही। धनपति जब भी भोजन या नाश्ता करता, उस व्यक्ति को भी साथ खिलाता-पिलाता। वह यात्री भीतर ही भीतर अत्यंत प्रसन्न था कि उसे ऐसा अवसर मिल गया। वास्तव में वह व्यक्ति एक शातिर चोर था, जो केवल धनपति का धन चुराने के उद्देश्य से उसके साथ यात्रा कर रहा था। वह लगातार इस प्रयास में लगा रहता कि आखिर धनपति अपना रुपयों से भरा बटुआ कहाँ रखता है। धनपति प्रतिदिन उसी के सामने बटुए से पैसे निकालकर भुगतान करता था। जब भी धनपति स्नान या शौचालय के लिए जाता, चोर उसका बटुआ खोजने में लग जाता, लेकिन उसे कभी सफलता नहीं मिली। यात्रा समाप्त होने पर वह व्यक्ति धनपति के चरणों में गिर पड़ा और बोला, सेठ जी, मुझे क्षमा कर दीजिए। मैं एक चोर हूँ। आपका धन चुराने के उद्देश्य से ही पूरी यात्रा में आपके साथ रहा, लेकिन अनेक प्रयासों के बावजूद असफल रहा। कृपया इतना तो बताइए कि आप अपना बटुआ कहाँ छिपाते थे? धनपति मुस्कुराते हुए बोला, जब भी मैं स्नान या शौचालय के लिए जाता था, तब अपना बटुआ तुम्हारे ही तकिए के नीचे रख देता था। तुम उसे बाहर हर जगह खोजते रहे, जबकि मेरा धन तुम्हारे पास ही सुरक्षित रखा रहता था। आचार्य श्री ने कहा कि वास्तव में जितनी आकर्षक यह बाहरी दुनिया है, उससे कहीं अधिक अद्भुत और रोमांचक हमारी भीतरी दुनिया है। भीतर झाँकने के लिए मन की आँखों की आवश्यकता होती है और यह तभी संभव है, जब मनुष्य विचारों के शोर से मुक्त होकर शांत चित्त से बैठना सीखता है। उन्होंने कहा कि हमारे भीतर बहुत कुछ छिपा हुआ है। जब वह उद्घाटित होता है तो स्वयं हमें भी आश्चर्यचकित कर देता है। जिस सुख, शांति, प्रेम और आनंद को हम बाहर खोजते फिरते हैं, उससे कहीं अधिक हमारे भीतर विद्यमान है। आवश्यकता उसे बाहर खोजने की नहीं, बल्कि अपने भीतर खोजने की है। उल्लेखनीय है कि अंतर्मना-अहिंसा-संस्कार पदयात्रा दिशा-दाहोद (गुजरात), झाबुआ, पेटलावद, थांदला, बदनावर, तपोभूमि उज्जैन, मकसी पार्श्वनाथ तीर्थ, सोनकच्छ होते हुए मध्यप्रदेश स्थित पुष्पगिरि तीर्थ क्षेत्र की ओर अग्रसर है। परम पूज्य गुरुदेव, भारत गौरव, विश्व के सर्वश्रेष्ठ तपस्वी, उत्तम सिंह निष्क्रिडित व्रतकर्ता अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागरजी महाराज के चतुर्विध संघ का भव्य मंगल पदविहार 12 जून 2026, शुक्रवार प्रातः 5:30 बजे पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जालिमपुरा (जिला बाँसवाड़ा, राजस्थान) से सर्वोदय छात्रावास, मुनखोसला, तहसील झालोद, जिला दाहोद (गुजरात) तक लगभग 14 किलोमीटर की दूरी के लिए संपन्न हुआ।

– नरेंद्र अजमेरा, पियूष कासलीवाल, औरंगाबाद

रेलवे स्टेशन पर समाज सेवा की मिसाल, दिगंबर जैन महिलाओं ने पिलाया अमृत जल

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया। भीषण गर्मी और उमस के बीच गंगापुर सिटी रेलवे स्टेशन पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप द्वारा संचालित निशुल्क जल सेवा में गुरुवार को नया उत्साह देखने को मिला। इस पुनीत कार्य में दिगंबर जैन समाज के महिला मंडल की करीब दो दर्जन सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। गुलाबी साड़ियों में सुसज्जित महिलाएं पूर्ण अनुशासन के साथ रेलवे स्टेशन पहुंचीं और प्लेटफॉर्म पर ट्रेनों के रुकते ही यात्रियों को अपने हाथों से शीतल जल पिलाया। गर्मी से बेहाल यात्रियों के चेहरों पर पानी पीते ही संतुष्टि और राहत की मुस्कान दिखाई दी। कई यात्रियों ने महिलाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तपती गर्मी में यह जल सेवा किसी वरदान से कम नहीं है। पहली बार इस सेवा कार्य में शामिल हुई महिला सदस्यों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि सामूहिक रूप से जब सामाजिक कार्य किया जाता है तो उसका आनंद और पुण्य कई गुना बढ़ जाता है। यात्रियों की प्यास बुझाकर उन्हें आत्मिक शांति और संतोष की अनुभूति हुई। इससे पूर्व जल सेवा संयोजिका निशा जैन पांड्या, महिला प्रभारी मोनिका जैन एवं नीरा जैन ने महिला मंडल की सभी सदस्यों का दुपट्टा पहनाकर तथा तिलक लगाकर स्वागत किया। संयोजिका निशा जैन ने बताया कि दिगंबर जैन सोशल ग्रुप द्वारा पिछले कई दिनों से रेलवे स्टेशन पर निरंतर निशुल्क जल सेवा संचालित की जा रही है। तपती धूप में भी जल सेवक पूरी निष्ठा के साथ यात्रियों की सेवा में जुटे रहते हैं। उल्लेखनीय है कि शहर के अनेक सामाजिक संगठन भी इस सेवा अभियान से जुड़े हुए हैं। विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी समय-समय पर पहुंचकर जल सेवकों का उत्साहवर्धन करते हैं तथा आर्थिक एवं शारीरिक रूप से सहयोग प्रदान करते हैं। इस अवसर पर ग्रुप अध्यक्ष नरेंद्र जैन नृपत्या, मंत्री महेश जैन, कोषाध्यक्ष सुभाष चंद्र सौगानी, संस्थापक अध्यक्ष सुमेर जैन सोनी, दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष प्रवीण जैन गंगवाल, जगदीश जैन, ज्ञानेंद्र जैन, योगेंद्र जैन, दीपक पाटनी, दीपक गंगवाल, राजेश जैन, कुलदीप गोयल, महेश अग्रवाल, विनोद खंडेलवाल, वीरेंद्र आर्य, अंजना जैन, संगीता गंगवाल, सुनीता लुहाड़िया, स्वीटी पांड्या, शिल्पी गोधा, हेमलता सिहल, रेनू आर्य, पूजा खंडेलवाल, मोनिका जैन, निशा जैन, रोनू जैन, नीरु पाटनी, मधु पांड्या, ममता गंगवाल, प्रेमलता सोनी सहित दर्जनों जल सेवक उपस्थित रहे।

स्थापित : 1957 पंजीयन संख्या 123/65-66

राजस्थान जैन साहित्य परिषद, जयपुर

(राजस्थान संस्था रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1956 के अन्तर्गत पंजीकृत)

कार्यालय- श्री दिगम्बर जैन संस्कृत महाविद्यालय, मणिहारों का रास्ता, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर 302002

अध्यक्ष: पदम चन्द जैन बिलाला, मो. 93140-24888
मंत्री: महावीर कुमार जैन बान्दवाड़, मो. 85050-30011

क्रमांक
दिनांक ....

संरक्षक: महेश चन्द चांदवाड़ मो. 94133-32533; डॉ. प्रेमचन्द रांवका मो. 95300-35253; सीए शान्तिलाल गंगवाल मो. 94601-86559; डॉ. विमल कुमार जैन मो. 94144-60694
उपाध्यक्ष: राजेन्द्र कुमार पापड़ीवाल मो. 92144-19945
संयुक्त मंत्री: रमेश कुमार गंगवाल मो. 94144-09133
अर्थ मंत्री: प्रद्युम्न पाटनी मो. 94142-77805
कार्यकारिणी सदस्य: योगेश कुमार जैन टोडरका मो. 94147-71158; प्रेमचन्द गंगवाल मो. 98294-50808; सुधीर बाकलीवाल (जाली) मो. 98291-56031; विपिन कुमार बज मो. 98280-66170
गोष्ठी संयोजक: सुदर्शन पाटनी मो. 99286-12030
विशेष आमंत्रित: हीराचंद बैद मो. 98281-64556; हरकचन्द बड़जात्या (इसीसपुर वाले) मो. 98290-74341; उदयभान जैन मो. 94143-06696; अनिल टोंग्या मो. 83849-27334; नरेन्द्र ढोलिया मो. 74130-02053; प्रदीप ढोलिया मो. 90796-96955; निर्मल कुमार जैन गोधा मो. 99833-13275; कैलाश चन्द मल्लैया मो. 94138-43037; डॉ. अरविन्द कुमार जैन मो. 95295-30051; सी.ए. विकास जैन मो. 98284-79780; नवरत्न पाटनी मो. 98292-56158; प्रदीप चांदवाड़ मो. 94143-44976

श्रुत पंचमी पर तीन दिवसीय महोत्सव
विनम्र आमंत्रण

दिनांक 17 जून 2026, बुधवार
विचार गोष्ठी :-
समय : शाम 7.30 बजे से
स्थान : श्री दिगम्बर जैन मंदिर, कीर्तिनगर

दिनांक :18 जून 2026, गुरुवार
श्रुत स्कन्ध विधान:-
समय :प्रातः 7.00 बजे से
स्थान : श्री दिगम्बर जैन मंदिर जनकपुरी -ज्योतिनगर

दिनांक : 19 जून 2026, शुक्रवार
श्रुत रथ यात्रा:-
समय : प्रातः 7.00 बजे से
दड़ा बाज़ार बड़ा मंदिर से मनिहारो का रास्ता संघी जी के मंदिर तक भव्य जुलूस - धर्म सभा

मंत्री कार्यालय : 192, "रतन-मोती" कुंज, श्रीजी नगर, दुर्गापुरा, जयपुर-302018

जैन धर्म और होम्योपैथिक चिकित्सा

शाबाश इंडिया

जैन धर्म विश्व के प्राचीनतम धर्मों में से एक है, जिसका मूल आधार अहिंसा, सत्य, अचौर्य (अस्तेय), ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह है। दूसरी ओर, होम्योपैथी एक आधुनिक चिकित्सा पद्धति है, जिसकी उत्पत्ति 18वीं शताब्दी में एक जर्मन चिकित्सक डॉ. सैमुअल हैनिमैन ने की थी। यद्यपि जैन धर्म और होम्योपैथी का उद्भव अलग-अलग काल एवं परिस्थितियों में हुआ है, फिर भी दोनों में कई ऐसे दार्शनिक और व्यावहारिक बिंदु हैं जो एक-दूसरे के काफी निकट हैं। आज के समय में, जब लोग प्राकृतिक, सौम्य एवं समग्र स्वास्थ्य की ओर आकर्षित हो रहे हैं, तब जैन दर्शन और होम्योपैथी का समन्वय अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है। आज जैन समाज होम्योपैथिक चिकित्सा को अपनाने में पूरी रुचि ले रहा है। अनेक जैन मंदिरों और संस्थाओं द्वारा निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सालय संचालित किए जा रहे हैं। सन 1990 में मुनिपुंगव सुधासागर जी महाराज के आशीर्वाद से जग्गा की बावड़ी जैन मंदिर (जयपुर) में पहला निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सालय खुलवाया गया था, जो आज भी सफलतापूर्वक चल रहा है।

जैन धर्म के मूल सिद्धांत

जैन धर्म का आधार पाँच महाव्रत हैं:

अहिंसा: मन, वचन और कर्म से किसी भी जीव को कष्ट न पहुँचाना।

सत्य: सदा सत्य का पालन करना।

अचौर्य (चोरी न करना): बिना आज्ञा किसी की वस्तु न लेना।

ब्रह्मचर्य: इंद्रिय संयम और पवित्रता।

अपरिग्रह: आवश्यकता से अधिक वस्तुओं का संग्रह न करना।

इन सिद्धांतों का उद्देश्य केवल आध्यात्मिक साधना ही नहीं, बल्कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की स्थापना भी है।

स्वास्थ्य के प्रति जैन दृष्टिकोण

जैन दर्शन में शरीर को 'आत्मा का साधन' माना गया है। स्वस्थ शरीर के बिना साधना कठिन है, क्योंकि रुग्ण व्यक्ति का मन बीमारी में ही उलझा रहता है। जैन आचार्यों ने स्वास्थ्य के लिए सात्विक आहार, नियमित दिनचर्या, उपवास, संयम और मानसिक शांति पर बल दिया है। क्रोध, लोभ, मोह और ईर्ष्या जैसे विकार न केवल कर्मों का बंध करते हैं, बल्कि अनेक

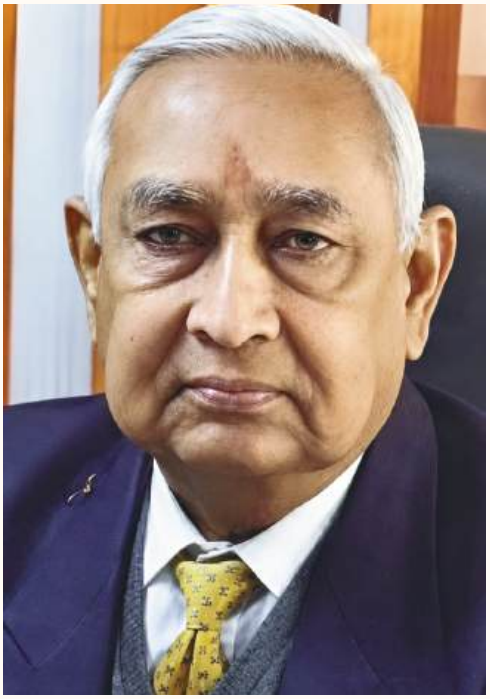

डॉ. एम.एल. जैन 'मणि'

बी.एम.एस. (होम्योपैथिक), पीएच.डी.
अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त वरिष्ठ होम्योपैथ एवं पूर्व शैक्षणिक सदस्य,
होम्योपैथिक विश्वविद्यालय, जयपुर।

शारीरिक व्याधियों जैसे उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, पाचन संबंधी समस्याओं और अवसाद को जन्म देते हैं।

होम्योपैथी का मूल दर्शन

होम्योपैथी का आधारभूत सिद्धांत है– "Similia Similibus Curentur" अर्थात ''समरूप ही समरूप को ठीक करता है।'' इसके प्रमुख सिद्धांत हैं:

रोगी का व्यक्तिगत अध्ययन।

शरीर की स्व-उपचार शक्ति को प्रोत्साहित करना।

न्यूनतम मात्रा में औषधि का प्रयोग।

रोग नहीं, बल्कि रोगी का उपचार करना।

जैन धर्म और होम्योपैथी में समानताएँ

अहिंसा का सिद्धांत: जैन धर्म का सर्वोच्च सिद्धांत अहिंसा है। होम्योपैथी भी एक सौम्य चिकित्सा पद्धति है। इसमें दवाएं प्रायः वनस्पतियों और खनिजों से निर्मित होती हैं। जैन श्रावक सामान्यतः ऐसी दवाओं को प्राथमिकता देते हैं जो जीव-हिंसा से मुक्त हों।

व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण: जैन दर्शन प्रत्येक जीव की विशिष्टता को स्वीकार करता है, वहीं होम्योपैथी भी हर रोगी की शारीरिक और मानसिक प्रकृति के अनुसार अलग औषधि का चयन करती है।

आत्म-अनुशासन और संयम: दोनों ही प्रणालियों में उपचार के दौरान आहार-विहार के नियमों और संयम का पालन करना अनिवार्य माना गया है। जैसे- नशीले पदार्थों का निषेध और सात्विक जीवनशैली।

रोग के मूल कारण की खोज: जैन धर्म में मानसिक विकारों को दुखों का मूल कारण माना गया है, और होम्योपैथी भी रोग के पीछे के भावनात्मक कारणों पर गहराई से विचार करती है।

जैन आहार और स्वास्थ्य

जैन धर्म में शुद्ध और शाकाहारी भोजन पर जोर दिया गया है (जैसे कंदमूल, प्याज, लहसुन का त्याग)। होम्योपैथिक उपचार में भी औषधियों के बेहतर प्रभाव के लिए लहसुन, प्याज, खटाई और अधिक सुगंधित पदार्थों के परहेज की सलाह दी जाती है। यह तालमेल उपचार की गति को तीव्र करता है।

उपवास और स्वास्थ्य

जैन धर्म के एकासन, आयम्बिल, अठाई और उपवास जैसे तप वजन नियंत्रण, पाचन तंत्र की शुद्धि और मधुमेह जैसी बीमारियों के प्रबंधन में सहायक होते हैं। हालांकि, कोई भी कठोर उपवास चिकित्सकीय सलाह के बिना नहीं करना चाहिए।

जैन धर्म और होम्योपैथी, दोनों का अंतिम उद्देश्य मानव कल्याण और पीड़ा का निवारण है। जैन धर्म जहाँ आध्यात्मिक और नैतिक जीवनशैली द्वारा स्वास्थ्य का मार्ग प्रशस्त करता है, वहीं होम्योपैथी रोगी की समग्र अवस्था को जानकर उपचार करती है। अहिंसा, संयम और करुणा–ये मूल्य दोनों के बीच एक विचारात्मक सेतु का कार्य करते हैं। आधुनिक जीवनशैली की चुनौतियों के बीच इनका समन्वय व्यक्ति को अधिक संतुलित, स्वस्थ और जागरूक जीवन जीने की प्रेरणा देता है।

कार्यक्रम श्री श्याम सेवा महोत्सव सेवा समिति, जयपुर के तत्वावधान में संपन्न होगा

जयपुर. शाबाश इंडिया

गौमाता सेवार्थ समिति द्वारा समाज सेवा एवं जनकल्याण के उद्देश्य से चतुर्थ स्वैच्छिक रक्तदान एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन 14 जून 2026 (रविवार) को दुगार्पुरा गौशाला, जयपुर में किया जाएगा। शिविर का समय प्रातः 8:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। शिविर के मुख्य संयोजक अशोक जैन एवं गोपी अग्रवाल ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी गौसेवकों के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम श्री श्याम सेवा महोत्सव सेवा समिति, जयपुर के तत्वावधान में संपन्न होगा। संयोजक भीम कांकरवाल, सतीश गोयल, पुष्पेंद्र अग्रवाल एवं कमल अग्रवाल ने जानकारी दी कि रक्तदान शिविर के साथ-साथ निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर भी आयोजित किया जाएगा। इसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों

गौमाता सेवार्थ समिति द्वारा चतुर्थ स्वैच्छिक रक्तदान एवं नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर कल

की टीम द्वारा स्वास्थ्य परामर्श के साथ विभिन्न जांच सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। शिविर के डिजिटल एवं मीडिया प्रभारी राहुल कुमार जैन (अरिहंत ग्लोबल) एवं रवि अग्रवाल ने बताया कि अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करने के लिए डिजिटल जागरूकता अभियान एवं सोशल मीडिया क्रिएटिव्स के माध्यम से व्यापक जनसंपर्क किया जा रहा है, ताकि बड़ी संख्या में लोग इस सेवा कार्य से जुड़ सकें। सह-संयोजक हनुमान सोनी एवं गौमाता सेवार्थ समिति के सदस्यों द्वारा कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई है। कार्यक्रम में राजस्थान गौसेवा संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य भी उपस्थित रहेंगे। समिति ने सभी स्वस्थ नागरिकों से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर स्वैच्छिक रक्तदान करने तथा मानव सेवा के इस पुनीत कार्य में सहभागी बनने की अपील की है। ''रक्तदान करके देखिए, अच्छा लगता है।''

राजनीति

होर्मुज जलडमरूमध्य फिर बंद

किशन सनमुखदास भावनानी

पश्चिम एशिया एक बार फिर वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव का केंद्र बन गया है। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को वाणिज्यिक जहाजों और तेल टैंकरों के लिए बंद करने की घोषणा ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। यह समुद्री मार्ग वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा माना जाता है और दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल एवं गैस का परिवहन इसी रास्ते से होता है। ऐसे में इस मार्ग पर किसी भी प्रकार का व्यवधान केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है और सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, कतर, इराक तथा ईरान जैसे प्रमुख ऊर्जा उत्पादक देशों के निर्यात का मुख्य मार्ग है। यही कारण है कि इसके बंद होने की आशंका से अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों में तत्काल हलचल मच गई और कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिला। ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि यदि संकट लंबा खिंचता है तो तेल की कीमतें और बढ़ सकती हैं, जिससे वैश्विक मुद्रास्फीति तथा आर्थिक अस्थिरता का खतरा बढ़ जाएगा। भारत के लिए यह स्थिति विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि देश अपनी जरूरत का अधिकांश कच्चा तेल आयात करता है और उसका बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से आता है। यदि आपूर्ति प्रभावित होती है तो आयात बिल बढ़ेगा, चालू खाता घाटा गहरा सकता है और रुपये पर दबाव बढ़ सकता है। सबसे पहले इसका असर पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर दिखाई देगा, जिससे परिवहन लागत बढ़ेगी और आवश्यक वस्तुओं के दाम भी ऊपर जा सकते हैं। डीजल की बढ़ती कीमतों का सीधा प्रभाव कृषि क्षेत्र पर भी पड़ेगा। सिंचाई, कृषि मशीनरी और माल परिवहन में डीजल की अहम भूमिका है। इसके महंगा होने से किसानों की लागत बढ़ेगी और खाद्यान्न कीमतों पर दबाव आएगा। इसी प्रकार प्राकृतिक गैस और पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर आधारित उर्वरक उद्योग भी प्रभावित हो सकता है। विमानन क्षेत्र में ईंधन लागत बढ़ने से हवाई किराए में वृद्धि और पर्यटन तथा व्यापारिक गतिविधियों पर असर पड़ने की आशंका है। भारत के लिए एलएनजी आपूर्ति भी चिंता का विषय है। कतर सहित खाड़ी देशों से आयात होने वाली बड़ी मात्रा में तरल प्राकृतिक गैस इसी मार्ग से होकर आती है।

संपादकीय

सहकारी संघवाद को नई दिशा देने की कोशिश

देश के समग्र विकास, राज्यों की सक्रिय भागीदारी और केंद्र-राज्य संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से आयोजित नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक एक बार फिर राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र बनी। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि और नीति निर्माण से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में

रखते हुए कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, बुनियादी ढांचा और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों का समाधान तलाशना था। प्रधानमंत्री ने राज्यों को विकास यात्रा का समान भागीदार बताते हुए कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब प्रत्येक राज्य अपनी क्षमता के अनुरूप आगे बढ़े और विकास की गति पूरे देश में समान रूप से दिखाई दे। बैठक के दौरान कई राज्यों ने अपने-अपने क्षेत्रीय मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। कुछ राज्यों ने वित्तीय सहायता, जीएसटी क्षतिपूर्ति, कृषि क्षेत्र की चुनौतियों और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त सहयोग की मांग की। वहीं कई मुख्यमंत्रियों ने शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी केंद्रीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया। राज्यों ने यह भी आग्रह किया कि नीतियों के निर्माण और निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी को और सशक्त बनाया जाए ताकि स्थानीय आवश्यकताओं और परिस्थितियों के अनुरूप बेहतर निर्णय लिए जा सकें। यह बैठक ऐसे समय में आयोजित हुई है जब देश वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सरकार का मानना है कि आने वाले दो दशकों में भारत को आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी दृष्टि से वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में स्थापित करने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच मजबूत साझेदारी अनिवार्य है। इसी सोच के अनुरूप बैठक में दीर्घकालिक विकास रणनीति, निवेश आकर्षित करने के उपाय, कौशल विकास, नवाचार और रोजगार सृजन जैसे विषयों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। हालांकि बैठक का राजनीतिक पक्ष भी चर्चा का विषय बना रहा। कुछ विपक्षी दलों ने केंद्र पर राज्यों की मांगों की अनदेखी करने के आरोप लगाए, जबकि केंद्र सरकार ने इसे सहकारी संघवाद को मजबूत करने का प्रभावी मंच बताया। ऐसे में नीति आयोग की बैठक केवल विकास योजनाओं की समीक्षा का माध्यम नहीं, बल्कि केंद्र और राज्यों के बीच संवाद तथा विश्वास निर्माण का महत्वपूर्ण अवसर भी बन गई है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह आवश्यक है कि राज्यों की आवाज को गंभीरता से सुना जाए और राजनीतिक मतभेद विकास की राह में बाधा न बनें। विशेषज्ञों का मानना है कि नीति आयोग की सफलता केवल बैठकों और घोषणाओं तक सीमित नहीं रहनी चाहिए।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

अस्तित्व की लड़ाई में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस

कांतिलाल मांडोत

दिल्ली में राहुल गांधी और अभिषेक बनर्जी की हालिया मुलाकात तथा उससे पहले सोनिया गांधी और ममता बनर्जी के बीच हुई बातचीत ने राष्ट्रीय राजनीति में नई चर्चाओं को जन्म दिया है। यद्यपि किसी भी पक्ष ने औपचारिक रूप से किसी गठबंधन या राजनीतिक समझौते की पुष्टि नहीं की है, फिर भी राजनीति में संकेतों का महत्व अक्सर शब्दों से अधिक होता है। विशेषकर तब, जब दोनों दल अपने-अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहे हों। कांग्रेस कभी देश की सबसे प्रभावशाली राजनीतिक शक्ति थी। स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत और लंबे समय तक केंद्र व राज्यों में सत्ता के कारण उसका प्रभाव पूरे देश में दिखाई देता था। लेकिन पिछले एक दशक में पार्टी का जनाधार लगातार कमजोर हुआ है। उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और कई अन्य राज्यों में कांग्रेस अब मुख्य राजनीतिक ताकत नहीं रह गई है। राष्ट्रीय स्तर पर भी उसका प्रभाव पहले की तुलना में सीमित हुआ है। कांग्रेस की सबसे बड़ी चुनौती यह रही कि वह भाजपा के उभार के सामने व्यापक स्तर पर प्रभावी राजनीतिक विकल्प प्रस्तुत नहीं कर सकी। कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों ने उसके पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगाई और स्थानीय मुद्दों ने राष्ट्रीय राजनीति पर बढ़त बना ली। राहुल गांधी की यात्राओं और विपक्षी एकता के प्रयासों के बावजूद पार्टी अभी तक अपने पुराने जनाधार को पूरी तरह पुनर्जीवित नहीं कर सकी है। दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में वामपंथी शासन को समाप्त कर मजबूत राजनीतिक पहचान बनाई और भाजपा की चुनौती का भी मुकाबला किया। एक समय ऐसा लगा कि पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार करेगी, लेकिन विभिन्न राज्यों में उसके प्रयास अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर सके। यदि भविष्य में बंगाल में भी उसका राजनीतिक आधार कमजोर होता है तो उसके सामने अस्तित्व और प्रभाव बनाए रखने की चुनौती खड़ी हो सकती है। इसी पृष्ठभूमि में राहुल गांधी और अभिषेक बनर्जी की मुलाकात को महज औपचारिक शिष्टाचार नहीं माना जा रहा। दोनों दल अलग-अलग परिस्थितियों में हैं, लेकिन उनकी चिंता समान है—राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रखना और बदलते राष्ट्रीय परिदृश्य में अपनी भूमिका को मजबूत करना। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के संबंधों का इतिहास भी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। ममता बनर्जी स्वयं कांग्रेस से अलग होकर नई पार्टी बनाने के बाद बंगाल की प्रमुख नेता बनीं और लंबे समय तक दोनों दल एक-दूसरे के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी रहे। ऐसे में वर्तमान संवाद को वैचारिक निकटता से अधिक राजनीतिक व्यावहारिकता के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि किसी संभावित सहयोग के सामने कई चुनौतियां भी हैं। कांग्रेस की राष्ट्रीय संगठनात्मक संरचना और तृणमूल कांग्रेस का नेतृत्व-केंद्रित मॉडल अलग-अलग प्रकृति के हैं। कई राज्यों में दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच प्रतिस्पर्धा भी रही है, जिससे किसी व्यापक समझौते को जमीन पर लागू करना आसान नहीं होगा। फिर भी भारतीय राजनीति का इतिहास बताता है कि बदलते हालात में दल अपनी रणनीतियां बदलते रहे हैं। जब जनाधार कमजोर होने लगता है तो राजनीतिक अस्तित्व बनाए रखने के लिए नए समीकरण तलाशना स्वाभाविक हो जाता है। आज कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस भी ऐसे ही मोड़ पर खड़ी दिखाई देती हैं। आखिरकार किसी भी दल की वास्तविक ताकत जनता का विश्वास होता है। केवल नेताओं की मुलाकातों या संभावित गठबंधनों से जनाधार वापस नहीं आता।

श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, इंजीनियर्स कॉलोनी, मान्यावास, मानसरोवर, जयपुर में दो दिवसीय वार्षिक उत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया। शहर की पॉश कॉलोनी मानसरोवर स्थित इंजीनियर्स कॉलोनी के श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में 13 एवं 14 जून 2026 को दो दिवसीय भव्य वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। यह आयोजन समाधि सम्राट आचार्य श्री अभिनंदन सागरजी महाराज के सुयोग्य शिष्य आध्यात्मिक योगी मुनि श्री 108 आदित्य सागरजी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य एवं प्रतिष्ठाचार्य ब्रह्मचारी जिनेश भैया (चीकू) के मार्गदर्शन में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों एवं मंत्रोच्चारणों के साथ संपन्न होगा। इसी क्रम में 12 जून 2026 को मुनि श्री 108 आदित्य सागरजी महाराज ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश आयोजित किया गया। प्रातः 7:00 बजे स्वर्ण पथ चौराहे से बैंड-बाजों के साथ भव्य शोभायात्रा प्रारंभ होकर मंदिर परिसर पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने जयघोष के साथ उनका स्वागत किया। मंदिर पहुंचने पर आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन संपन्न हुआ, जिसके उपरांत उनकी मंगल देशना का आयोजन किया गया। देशना में आचार्य श्री ने धर्म, संयम एवं आत्मकल्याण के मार्ग पर चलने का संदेश प्रदान किया।

बेगस में वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर महाराज का भव्य मंगल प्रवेश

जयपुर/बेगस. शाबाश इंडिया। सिरसी रोड स्थित ग्राम बेगस की पावन धरा पर 20वीं सदी के प्रथमाचार्य, चारित्र चक्रवर्ती शांति सागर महाराज की पट्ट परंपरा के पंचम पट्टाधीश, वात्सल्य वारिधि आचार्य 108 श्री वर्धमान सागर महाराज ससंघ का 10 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद पुनः मंगल आगमन हुआ। मंदिर समिति के अध्यक्ष पूनम चन्द ठोलिया, मंत्री सुरेश छाबड़ा एवं चीफ कोऑर्डिनेटर जय कुमार जैन-बड़जात्या ने बताया कि आचार्य संघ के बेगस पहुँचने पर समाज बंधुओं द्वारा पाद प्रक्षालन कर और जयघोष के साथ भव्य अगवानी की गई। इस अवसर पर अपने मंगल प्रवचन में आचार्य श्री ने उपस्थित जनसमूह को श्रावक धर्म का निष्ठापूर्वक पालन करने और पटाखे न जलाने जैसे अहिंसक व्यवहार को जीवन में उतारने का आह्वान किया।

चीफ कोऑर्डिनेटर जय कुमार जैन-बड़जात्या ने बेगस मंदिर के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्ष 2005 में मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया था, जहाँ 1600 वर्ष प्राचीन प्रतिमा को नई वेदी में प्रतिष्ठित किया गया। उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में आचार्य श्री के आशीर्वाद से निर्मित बोरिंग के जल से संघ को प्रथम आहार समर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम में जयपुर, सीकर एवं जोबनेर से आए सैकड़ों श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लिया। प्रमुख उपस्थितजनों में सुरेश सबलावत, विनोद पांड्या, राजकुमार सेठी, अशोक चांदवाड़, डी.के. जैन, कमल पहाड़िया, निहाल पांड्या, राजेश सेठी, रविन्द्र पाटनी, प्रदीप चूड़ीवाल, शैलेश सौगाणी, पुखराज बाकलीवाल, सुभाष पाटनी, महेश बाकलीवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे। मंत्री सुरेश छाबड़ा ने बताया कि आचार्य संघ रात्रि विश्राम के उपरांत प्रातः जोबनेर की ओर विहार करेगा। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में श्रवण सोनी, मोहनलाल और रामफूल यादव ने महती भूमिका निभाई। उपस्थित विशिष्ट जनों ने मंदिर प्रबंध समिति द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की और भविष्य में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

प्रतिष्ठा महोत्सव की 11वीं वर्षगांठ पर शांतिनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय में शांति विधान का आयोजन

खेरवाड़ा. शाबाश इंडिया

महावीर कॉलोनी स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय में प्रतिष्ठा महोत्सव की 11वीं वर्षगांठ श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ मनाई गई। इस अवसर पर गुरुदेव शैल नंदी महाराज के सान्निध्य में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। महोत्सव के अंतर्गत प्रातः 7:30 बजे भगवान का अभिषेक एवं गुरुवर के श्रीमुख से शांतिधारा संपन्न हुई। शांतिधारा का सौभाग्य कमला देवीझगजेंद्र कुमार जैन परिवार को प्राप्त हुआ, जबकि पंचामृत अभिषेक का लाभ सुभाष चंद्र एवं डिंपल दोषी परिवार ने प्राप्त किया। धार्मिक प्रवचन के दौरान गुरुदेव ने समाजजनों को मंगल आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि शांति विधान पापों के क्षय, मनोकामनाओं की पूर्ति तथा विश्व में शांति, सुख और समृद्धि की कामना के लिए किया जाने वाला अत्यंत पुण्यदायी विधान है। इसके पश्चात विधानाचार्य जयेश शाह के निर्देशन तथा मंदिर के पुजारी पंडित मोहनलाल के सहयोग एवं सेवा भाव से श्रद्धालुओं द्वारा विधि-विधानपूर्वक शांति विधान संपन्न कराया गया। विधान के दौरान भगवान को अर्घ्य समर्पित कर श्रद्धालुओं ने विश्व शांति, सुख-समृद्धि एवं धर्म प्रभावना की मंगल कामना की। वर्षगांठ समारोह से पूर्व सायंकाल समाज के महिला-पुरुष एवं युवा बड़ी संख्या में स्वस्तिक कॉलोनी पहुंचकर गुरुदेव शैल नंदी महाराज की अगवानी के लिए उपस्थित हुए। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से पाद प्रक्षालन कर महाराजश्री का महावीर कॉलोनी तक भव्य मंगल प्रवेश कराया। धार्मिक कार्यक्रमों में महावीर कॉलोनी सहित कस्बे के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में सकल दिगंबर जैन समाज के श्रद्धालुओं ने भाग लिया। शांति विधान की पूर्णाहुति के पश्चात समाजजनों के लिए स्नेहभोज का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने प्रसादी ग्रहण की। समारोह के दौरान जैन समाज के पदाधिकारियों एवं वरिष्ठजनों ने प्रतिष्ठा महोत्सव की 11वीं वर्षगांठ पर सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए धर्म एवं संस्कारों के संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर रंजन जैन, प्रकाश चंद्र पंचोली, रोशनलाल नागदा, राजमल नागदा, भूपेंद्र भगोरिया, राजेश शाह सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे।

सुविचारों की शक्ति से तनावमुक्त जीवन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव एक सामान्य समस्या बन गया है। कार्य का दबाव, पारिवारिक जिम्मेदारियां, आर्थिक चिंताएं और भविष्य की अनिश्चितता अक्सर मन को अशांत कर देती हैं। ऐसे समय में सुविचार हमारे जीवन में प्रकाश स्तंभ का कार्य करते हैं। वे न केवल हमें सही दिशा दिखाते हैं, बल्कि मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा भी प्रदान करते हैं। सुविचार मनुष्य की सोच को सकारात्मक बनाते हैं। जैसा हम सोचते हैं, वैसा ही हमारा व्यवहार और व्यक्तित्व भी बनता है। यदि हम निराशाजनक और नकारात्मक विचारों को अपने मन में स्थान देते हैं, तो तनाव बढ़ने लगता है। इसके विपरीत, प्रेरणादायक और सकारात्मक विचार मन में आशा, आत्मविश्वास और उत्साह का संचार करते हैं। यही कारण है कि महान व्यक्तियों के विचार आज भी लाखों लोगों को प्रेरित करते हैं। तनावमुक्त जीवन के लिए आवश्यक है कि हम प्रतिदिन कुछ समय अच्छे विचारों के चिंतन में व्यतीत करें। ''हर समस्या का समाधान होता है'', ''समय से बड़ा कोई शिक्षक नहीं'' और ''जो हुआ अच्छा हुआ, जो होगा अच्छा होगा'' जैसे सुविचार कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखने की प्रेरणा देते हैं। ये विचार हमें वर्तमान में जीना और परिस्थितियों को सकारात्मक दृष्टि से स्वीकार करना सिखाते हैं। सुविचारों का प्रभाव केवल मानसिक शांति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह हमारे संबंधों को भी मधुर बनाता है। सकारात्मक सोच वाला व्यक्ति दूसरों के प्रति अधिक सहनशील, विनम्र और सहयोगी होता है। इससे परिवार और समाज में सौहार्द का वातावरण बनता है, जो तनाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अंततः, तनावमुक्त जीवन का आधार बाहरी परिस्थितियां नहीं, बल्कि हमारी सोच होती है। यदि हम अपने मन को अच्छे विचारों से पोषित करें, तो कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी संतुलित और प्रसन्न रह सकते हैं। सुविचार वास्तव में जीवन की वह अमूल्य शक्ति हैं, जो हमें तनाव से मुक्त कर सुख, शांति और संतोष की ओर अग्रसर करती हैं। ''विचार बदलें, जीवन बदल जाएगा; सकारात्मक सोच अपनाएं, तनाव दूर हो जाएगा।''

अनिल माथुर: ज्वाला-विहार, जोधपुर

धर्मनगरी किशनगढ़ में चातुर्मास हेतु आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज ससंघ को श्रद्धापूर्वक श्रीफल भेंट

किशनगढ़. शाबाश इंडिया

धर्मनगरी किशनगढ़ में वर्ष 2026 का पावन चातुर्मास संपन्न कराने के उद्देश्य से श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन पंचायत, किशनगढ़ के पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों एवं समाजजनों ने इटावा (उत्तर प्रदेश) पहुंचकर गणाचार्य आचार्य श्री 108 विरागसागरजी महाराज के परम प्रभावक शिष्य, चर्या शिरोमणि पट्टाचार्य आचार्य श्री 108 विशुद्धसागरजी महाराज ससंघ को श्रद्धापूर्वक श्रीफल भेंट कर किशनगढ़ में चातुर्मास हेतु विनम्र निवेदन किया। इस अवसर पर समाजजनों ने इटावा स्थित लाडपुरा जैन मंदिर में आचार्य श्री के श्रीचरणों में विनयपूर्वक प्रार्थना करते हुए कहा कि यदि वर्ष 2026 का

चातुर्मास धर्मनगरी किशनगढ़ में संपन्न होता है तो सम्पूर्ण क्षेत्र के श्रद्धालुओं को धर्म, साधना एवं अध्यात्म का विशेष लाभ प्राप्त होगा। आचार्य श्री के पावन सान्निध्य से किशनगढ़ का धार्मिक वातावरण और अधिक सुदृढ़ होगा तथा समाज में धर्म प्रभावना को नई दिशा एवं गति मिलेगी। श्रीफल भेंट कार्यक्रम में श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन पंचायत के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश बैद, कार्यकारिणी सदस्य जितेंद्र पाटनी, मुकेश काला, राजेश पाटनी, राजू सोगानी, पदमचंद गंगवाल सहित रोहित झांझरी, राकेश पाटोदी, युवराज पाटनी, मोहित बड़जात्या, नितिन गोधा, प्रकाश बड़जात्या, कैलाश कासलीवाल, सुनील बड़जात्या, सुरेंद्र गोधा, मनीष बड़जात्या, अशोक सेठी, धर्मचंद गोधा, महावीर ठोलिया, संजय सोगानी, धीरज अजमेरा, सुखानंद पाटनी, स्वातिक पहाड़िया, पुष्पेंद्र पाटनी, पदम बड़जात्या सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे। समाज के पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं ने इस अवसर पर आचार्य श्री ससंघ के दर्शन-वंदन कर उनका मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया तथा किशनगढ़ में चातुर्मास संपन्न होने की मंगलकामना व्यक्त की।

बादलों की बाँहों में झूमता उदयपुर : सावन में धरती पर उतर आता है स्वर्ग

देश के टॉप मानसून डेस्टिनेशंस में तीसरे स्थान पर चमकी झीलों की नगरी

सत्य भूषण शर्मा, उदयपुर (राजस्थान)

जैसे ही सावन की पहली फुहार अरावली की पर्वतमालाओं को भिगोती है, वैसे ही उदयपुर की फिजाओं में एक जादुई ताजगी घुल जाती है। बादलों से ढकी पहाड़ियाँ, झीलों पर थिरकती बारिश की बूंदें, हरियाली से सजे घाट और हवाओं में घुली मिट्टी की सोंधी महक—सब मिलकर ऐसा दृश्य रचते हैं कि लगता है मानो प्रकृति स्वयं इस शहर को अपने हाथों से सजा रही हो। मानसून में उदयपुर केवल एक शहर नहीं, बल्कि एक जीवंत कविता बन जाता है। इसी अद्भुत सौंदर्य के कारण प्रसिद्ध ट्रैवल पोर्टल ''टिकट्स टू ट्रिप'' द्वारा जारी भारत के टॉप-15 मानसून डेस्टिनेशंस की सूची में उदयपुर ने शानदार तीसरा स्थान प्राप्त कर राजस्थान का गौरव बढ़ाया है। पहले स्थान पर मुन्नार और दूसरे स्थान पर गोवा रहे, जबकि झीलों की नगरी उदयपुर ने अपनी प्राकृतिक सुंदरता, राजसी वैभव और सांस्कृतिक आकर्षण से देशभर के पर्यटकों का दिल जीत लिया। मानसून में पिछोला झील का दृश्य किसी सपनों की दुनिया से कम नहीं लगता। शांत जल में उतरते बादलों के प्रतिबिंब तथा झील के मध्य स्थित जगमंदिर और लेक पैलेस की भव्यता हर पर्यटक को मंत्रमुग्ध कर देती है। शाम ढलते ही झील के किनारों पर जगमगाती रोशनियाँ और दूर से आती लोकसंगीत की मधुर धुनें वातावरण को और अधिक रूमानी बना देती हैं। फतेह सागर झील की पाल इन दिनों लोगों की सबसे पसंदीदा जगह बनी हुई है। हल्की बारिश, ठंडी हवाएँ, चाय की चुस्कियाँ और भुट्टे की सोंधी खुशबू मानसून के आनंद को कई गुना बढ़ा देती हैं। झील के ऊपर तैरती धुंध और बारिश की फुहारें ऐसा एहसास कराती हैं, मानो पूरा शहर बादलों के संगीत पर झूम रहा हो। इन दिनों नीमच माता मंदिर भी उदयपुर पर्यटन का प्रमुख आकर्षण बन चुका है। पहाड़ी की चोटी पर स्थित यह मंदिर आस्था और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत संगम

प्रस्तुत करता है। कुछ समय पूर्व प्रारंभ हुई रोपवे सेवा ने इसकी लोकप्रियता को नई ऊँचाइयाँ प्रदान की हैं। रोपवे से ऊपर जाते समय नीचे फैला पूरा उदयपुर किसी रंगीन चित्र जैसा प्रतीत होता है। मंदिर के खुले प्रांगण से दिखाई देती फतेह सागर झील की नीली चमक, दूर से झलकती पिछोला झील और चारों ओर फैली हरी-भरी अरावली पर्वतमालाएँ हर पर्यटक को रोमांचित कर देती हैं। सूर्योदय और सूर्यास्त के समय यहाँ का दृश्य सचमुच स्वर्गिक प्रतीत होता है। जब सूर्य की सुनहरी किरणें झीलों के पानी पर बिखरती हैं, तब पूरा शहर मानो स्वर्णिम आभा में नहा उठता है। माछला मगरा स्थित करनी माता मंदिर और वहाँ का रोपवे भी मानसून में पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बने हुए हैं। ऊँचाई से दिखाई देती झीलों की चमक, बादलों में घिरा शहर और हरियाली से आच्छादित पहाड़ियाँ रोमांच और सुकून दोनों का अनूठा अनुभव कराती हैं। सज्जनगढ़ का प्रसिद्ध मानसून पैलेस भी इन दिनों अपनी पूरी भव्यता में दिखाई देता है। बारिश की हल्की फुहारों और बादलों के बीच खड़ा यह महल राजसी इतिहास की गौरवगाथा का स्मरण कराता है। यहाँ से दिखाई देता पूरा उदयपुर ऐसा प्रतीत होता है मानो बादलों ने शहर को अपनी बाँहों में समेट लिया हो। उदयपुर की खूबसूरती केवल झीलों और महलों तक ही सीमित नहीं है। पुराने शहर की संकरी गलियाँ, रंग-बिरंगे बाजार, घाटों पर टिमटिमाते दीपक, मंदिरों की घंटियाँ और लोकसंगीत की मधुर धुनें इस शहर की सांस्कृतिक आत्मा को जीवंत बनाए रखती हैं। मानसून के मौसम में पूरा शहर हरियाली और शीतल हवाओं से महक उठता है। सोशल मीडिया पर इन दिनों उदयपुर की मानसूनी तस्वीरें और वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। कभी बादलों के बीच झलकता सिटी पैलेस, तो कभी रोपवे से दिखाई देती झीलों की मनोरम छटा—हर दृश्य लोगों को यहाँ आने के लिए प्रेरित कर रहा है। यही कारण है कि देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक मानसून का आनंद लेने उदयपुर पहुँच रहे हैं। पर्यटन विशेषज्ञों का मानना है कि यह उपलब्धि स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। इससे होटल, रिसोर्ट, हस्तशिल्प बाजार, ट्रैवल एजेंसियाँ, टैक्सी व्यवसाय तथा छोटे व्यापारियों में नई ऊर्जा का संचार होगा और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। हालाँकि, बढ़ती लोकप्रियता के साथ हमारी जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। उदयपुर की झीलें, पहाड़ियाँ और प्राकृतिक धरोहरें केवल पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि इस शहर की आत्मा हैं। यदि इनके संरक्षण और स्वच्छता पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाली पीढ़ियाँ इस अनुपम सौंदर्य से वंचित हो सकती हैं। इसलिए प्रशासन, स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों को मिलकर पर्यावरण संरक्षण को अपनी प्राथमिकता बनाना होगा। निस्संदेह, सावन के मौसम में उदयपुर प्रकृति, संस्कृति, आस्था और राजसी वैभव का ऐसा अद्भुत संगम बन जाता है, जिसकी खूबसूरती को शब्दों में बाँध पाना आसान नहीं। बादलों की चादर ओढ़े यह शहर यूँ ही दुनिया भर के पर्यटकों के दिलों पर राज करता रहे—यही कामना है।

— सत्य भूषण शर्मा
प्रवक्ता, पत्रकार, लेखक, कवि एवं यूट्यूबर
बी-107, दिव्य ज्योति अपार्टमेंट, न्यू भूपालपुरा, उदयपुर, राजस्थान

शिक्षण शिविर में हो रहा है बच्चों में नवीन संस्कारों का बीजारोपण

14 जून को नवग्रह शांति विधान एवं लिखित परीक्षा, 15 जून को होगा शिविर का समापन और पुरस्कार वितरण

मुरैना (मनोज जैन नायक). शाबाश इंडिया

नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पंचायती बड़ा मंदिर एवं अंबाह रोड स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन नसियाजी मंदिर में श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर (जयपुर) के तत्वावधान में आयोजित ग्रीष्मकालीन श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविरों के पाँचवें दिन साधर्मी बंधुओं, मातृशक्ति, युवाओं एवं बच्चों को धार्मिक एवं सांस्कृतिक शिक्षण प्रदान किया गया। दोनों जिनालयों में एक साथ शिविरों का सफल संचालन किया जा रहा है। 8 जून से प्रारंभ हुए इन सात दिवसीय शिविरों के अंतर्गत 14 जून को सभी शिविरार्थियों की लिखित परीक्षा आयोजित होगी तथा 15 जून को समापन समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। प्रतिदिन प्रातः एवं सायंकाल विभिन्न विषयों की कक्षाएं संचालित की जा रही हैं, जिनमें सांगानेर (जयपुर) से आए प्रशिक्षित विद्वानों द्वारा धार्मिक अध्ययन कराया जा रहा है। रात्रिकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भक्तिमय भजन, नृत्य, चित्रकला, एक मिनट प्रतियोगिता, हाउजी सहित अनेक मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिभागियों को उनके प्रदर्शन के आधार पर सम्मानित भी किया जा रहा है।

14 जून को होगा श्री नवग्रह शांति विधान

नगर के अंबाह रोड फाटक के बाहर स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन नसियाजी जिनालय में अधिमास की पावन बेला पर ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्दशी, रविवार 14 जून को प्रातः 6:30 बजे से श्री नवग्रह शांति विधान का आयोजन किया जाएगा। विधान के कर्ताधर्ता राजकुमार जैन कुथियाना ने बताया कि इस धार्मिक आयोजन में सैकड़ों साधर्मी बंधु, मातृशक्ति एवं युवा सहभागिता करेंगे। विधान की समस्त धार्मिक क्रियाएं जैन विद्वान महेंद्र कुमार शास्त्री (सिहोनिया) द्वारा संपन्न कराई जाएंगी, जबकि सौरभ जैन एंड पार्टी, मुरैना भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर करेगी।

14 जून को होगी शिविरार्थियों की लिखित परीक्षा

शिविर के समापन से पूर्व रविवार 14 जून को प्रातः 8 बजे से सभी शिविरार्थियों की लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी। सोमवार 15 जून को समापन समारोह में प्रत्येक कक्षा के प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार विजेताओं को स्मृति चिह्न एवं पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। साथ ही सभी उत्कृष्ट शिविरार्थियों को संस्था की ओर से प्रशस्ति-पत्र भी दिए जाएंगे। कार्यक्रम के उपरांत सभी प्रतिभागियों के लिए वात्सल्य भोज का आयोजन रखा गया है।

मुरैना में बह रही है धर्मरूपी ज्ञान की गंगा

धर्मनगरी मुरैना में इन दिनों जैन समाज की भावी पीढ़ी को धर्म, संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने के लिए एक ऐतिहासिक एवं अनूठा प्रयास किया जा रहा है। श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर (जयपुर) के तत्वावधान में स्थानीय श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में आयोजित संस्कार शिक्षण शिविर 8 जून से प्रारंभ होकर 15 जून तक संचालित होगा। इस विशाल प्रांतीय शिविर के संचालन एवं मार्गदर्शन का दायित्व चंबल संभाग के क्षेत्रीय प्रभारी विद्वान नवनीत जैन शास्त्री (मुरैना) के निर्देशन में निभाया जा रहा है। नसियाजी मंदिर शिविर के मुख्य संयोजक पदमचंद जैन चैटा तथा बड़ा मंदिर शिविर के मुख्य संयोजक सुरेश चंद्र जैन (शिक्षक) एवं सह-संयोजक अनिल जैन (गढ़ी वाले) पूरे आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

देश के प्रतिष्ठित विद्वानों द्वारा ज्ञान की गंगा प्रवाहित

शिविर को ज्ञानवर्धक एवं व्यवस्थित बनाने के लिए विभिन्न आयु वर्गों के अनुसार अलग-अलग कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। सांगानेर संस्थान एवं देश के प्रतिष्ठित विद्वानों द्वारा शिविरार्थियों को विविध विषयों का अध्ययन कराया जा रहा है। विद्वान अभिषेक जैन शास्त्री (व्याख्याता, सांगानेर संस्थान) द्वारा ''पूजन पद्धति'' एवं ''जैन भूगोल'' का गहन अध्ययन कराया जा रहा है। गौरव जैन शास्त्री ''छहढाला'' जैसे महत्वपूर्ण ग्रंथ की विशेष कक्षाएं संचालित कर रहे हैं। वहीं मनन जैन शास्त्री धार्मिक पाठ्यक्रम का प्रथम भाग पढ़ा रहे हैं, जबकि हिमांशु जैन शास्त्री नवोदित बच्चों को खेल-खेल में पाठ्यक्रम के द्वितीय भाग का सरल एवं रोचक अध्ययन करा रहे हैं।

महावीर-ललिता बाकलीवाल की वैवाहिक वर्षगांठ पर जुटे समाज के गणमान्यजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान अंचल के महामंत्री महावीर-ललिता बाकलीवाल की वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में समाज के अनेक गणमान्य अतिथियों ने उपस्थित होकर उन्हें शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की। इस अवसर पर दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र मृदुला पांड्या, राजस्थान रीजन अध्यक्ष अनिल जैन, पूर्व अध्यक्ष उत्तम पांड्या, पश्चिम संभाग अध्यक्ष निर्मल संघी, नवकार ग्रुप अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल, कार्याध्यक्ष सुरेश जैन (बांदीकुई), शशि सेन जैन, महावीर चांदवाड़, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन के अध्यक्ष सुनील बज, डॉ. णमोकार जैन, शांति काला तथा शाबाश इंडिया के संपादक राकेश गोदिका सहित अनेक गणमान्य श्रेष्ठीजनों ने दंपती को वैवाहिक वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएं एवं मंगलकामनाएं दीं।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेंडरेशन
राजस्थान रीजन, जयपुर

सेवा • सहयोग • संस्कार

जनसेवा हमारा संकल्प
मानव सेवा हमारा धर्म

निःशुल्क मेडिकल एड उपकरण सेवा केंद्र एवं नवकार चिकित्सा केंद्र का किया अवलोकन

जयपुर। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन, राजस्थान रीजन, जयपुर द्वारा मानसरोवर के रजत पथ स्थित संचालित निःशुल्क मेडिकल एड उपकरण सेवा केंद्र एवं दिगंबर जैन सोशल नवकार ग्रुप द्वारा सहयोगी संस्था भगवान महावीर जन सेवा ट्रस्ट, जयपुर के माध्यम से संचालित नवकार चिकित्सा केंद्र का अवलोकन दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन, राजस्थान रीजन, जयपुर के अध्यक्ष सुनील कुमार बज एवं शाबाश इंडिया के संपादक राकेश गोदिका ने किया।

नवकार ग्रुप के अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल ने बताया कि इस अवसर पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार के कार्याध्यक्ष **सुरेश जैन** (बांदीकुई), कोषाध्यक्ष **कैलाश चंद सेठी, अजीत कुमार जैन, राजेंद्र कुमार बाकलीवाल** एवं **डॉ. नमोकार जैन** भी उपस्थित रहे।

अवलोकन के दौरान शाबाश इंडिया के संपादक राकेश गोदिका एवं रीजन अध्यक्ष सुनील कुमार बज ने चिकित्सा केंद्र एवं निःशुल्क मेडिकल एड उपकरण सेवा केंद्र के सुव्यवस्थित संचालन, जनसेवा की भावना तथा समाजोपयोगी कार्यों की सराहना करते हुए नवकार ग्रुप के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की प्रशंसा की।

हमारी सेवाएं

- निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा
- निःशुल्क मेडिकल परामर्श
- निःशुल्क दवाईयों
- मेडिकल एड उपकरण उपलब्धता
- जरूरतमंदों की सेवा

जन सेवा ही सच्ची सेवा है, आइए इस पुनीत कार्य में सहभागी बनें।

धर्म को भी कर्मठता से करें मनुष्य : आचार्य सुंदर सागरजी महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया

मनुष्य जिस प्रकार संसार के सभी कार्य कर्मठता और पूर्ण समर्पण के साथ करता है, उसी प्रकार उसे धर्म का पालन भी कर्मठता से करना चाहिए। कर्मठता से ही पुण्य की प्राप्ति होती है और इसी पुण्य के प्रभाव से जीवन में सच्चे ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती तथा वैभव की देवी लक्ष्मी की सहज प्राप्ति होती है। वास्तव में लक्ष्मी भी पुरुषार्थ और पुण्य की दासी है। यह प्रेरणादायी मंगल संदेश परम पूज्य आचार्य श्री सुंदरसागरजी महाराज ने बापू नगर स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय, गणेश मार्ग में अपने संघस्थ 34 मुनिराजों एवं आर्यिका माताओं की गरिमामयी उपस्थिति तथा भारी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच धर्मसभा को संबोधित करते हुए दिए। आचार्य श्री ने गंभीर वाणी में कहा कि आज का मनुष्य भौतिक सुख-सुविधाओं और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए दिन-रात परिश्रम करता है तथा अपने आराम की परवाह किए बिना पूरी शक्ति लगा देता है,

लेकिन जब आत्मकल्याण और धर्ममार्ग की बात आती है तो वह आलस्य से घिर जाता है। उन्होंने कहा कि बिना आत्मिक पुरुषार्थ और धर्म के प्रति अटूट निष्ठा के पुण्य का संचय संभव नहीं है तथा बिना पुण्य के संसार का कोई भी वैभव स्थायी नहीं रह सकता। इसलिए यदि जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना है तो धर्म क्रियाओं को केवल औपचारिकता न मानकर उन्हें जीवन का प्रमुख ध्येय बनाते हुए पूरे समर्पण और कर्मठता के साथ धर्ममार्ग पर अग्रसर होना चाहिए। धर्मसभा का शुभारंभ पावन मंगलाचरण के साथ हुआ, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। अध्यक्ष राजकुमार सेठी एवं मानद मंत्री संजय पाटनी के अनुसार, कार्यक्रम से पूर्व श्री मुनिसंघ सेवा समिति के अध्यक्ष राजीव-सीमा जैन (गाजियाबाद) ने अपने आठ माह के पौत्र के साथ आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। संपूर्ण सभा का संचालन रवि सेठी ने किया। प्रचार संयोजक मनीष बैद ने बताया कि इस अवसर पर रवींद्र कुमार बैनाडा, आलोक जैन, नवीन संघी, आशीष झंडेवाला, ज्ञानचंद झांझरी, शांतिलाल गंगवाल, महावीर जैन झागवाले एवं पंकज झांझरी सहित अनेक गणमान्य श्रद्धालु उपस्थित रहे और धर्मलाभ प्राप्त किया। वहीं अशोक एवं सुभाष पाटनी सहित अन्य प्रबुद्ध श्रावकों को आचार्य श्री को परम पवित्र शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के अंत में मनोज झांझरी, रमेश बोहरा एवं सूरज अजमेरा ने उपस्थित समाजजनों के प्रति आभार व्यक्त किया। धर्मसभा की पूर्णाहुति के पश्चात मुनिसंघ के कोषाध्यक्ष सुरेंद्र एवं सुलोचना मोदी के निवास पर पूर्ण विधि-विधान, नवधा भक्ति एवं अगाध श्रद्धा के साथ आचार्य श्री का आहार संपन्न हुआ। वहीं संघस्थ अन्य मुनिराजों एवं आर्यिका माताओं की आहार चर्या स्नेहलता काला, संजय-बबीता पाटनी, निर्मल पाटनी तथा अरिहंत-प्रिंसी के निवास पर श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई। भीषण गर्मी के बीच भी आत्म-साधना में लीन 34 मुनिराजों एवं आर्यिका माताओं की कठिन एवं अनुशासित आहार चर्या को प्रत्यक्ष देखकर जैन एवं जैनेतर समाज के लोग श्रद्धा, भक्ति और विस्मय से अभिभूत दिखाई दिए, जो दिगंबर जैन परंपरा की त्यागमय साधना की अनुपम विशेषता है। सभा के समापन पर सामूहिक रूप से भक्तिमय वातावरण में जिनवाणी स्तुति का आयोजन किया गया। आचार्य श्री के पावन सान्निध्य में शनिवार प्रातः 8:00 बजे भव्य मंगल प्रवचन होंगे। दोपहर में तत्व चर्चा एवं स्वाध्याय का लाभ मिलेगा तथा सायंकाल ज्ञानवर्धक प्रश्नमंच एवं संगीतमय भव्य महाआरती का आयोजन किया जाएगा।

मुनि विलोक सागर महाराज ससंघ का निवाई में भव्य मंगल प्रवेश

निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के शिष्य मुनि श्री विलोक सागर महाराज ससंघ का निवाई में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने जयघोष के साथ अगवानी कर चरण प्रक्षालन एवं पूजा-अर्चना की। जैन समाज के प्रवक्ता सुनील भाणजा एवं विमल जौंला ने बताया कि मुनि श्री विलोक सागर महाराज एवं मुनि श्री विबोध सागर महाराज ससंघ ग्रीष्मकालीन प्रवास के अंतर्गत श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी से मंगल विहार करते हुए गंगापुर सिटी, शिवाड़, सिरस एवं नला होते हुए शुक्रवार को निवाई पहुंचे। मंगल प्रवेश के दौरान गाजे-बाजे एवं श्रद्धा-भक्ति के वातावरण के बीच ससंघ का श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अग्रवाल मंदिर में आगमन हुआ। यहां समाज के सुशील जैन, गोपाल कठमाणा, नवरत्न टोंग्या, विमल सोगानी, शंभु कठमाणा, अनंत जैन, संजय प्रेस सहित अनेक श्रद्धालुओं ने मुनिश्रियों का चरण प्रक्षालन कर भव्य स्वागत किया तथा भक्ति-भाव से पूजा-अर्चना की। प्रवक्ताओं ने बताया कि मुनि श्री के मंगल प्रवेश से समूचे नगर में धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण का संचार हुआ है। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दर्शन-वंदन कर मुनिश्रियों का आशीर्वाद प्राप्त किया।

भगवान महावीर के सिद्धांतों एवं अहिंसा-शाकाहार के प्रचार-प्रसार हेतु 12 दिवसीय धार्मिक यात्रा का आयोजन

17 जून को भट्टारक जी की नसियां से रवाना होगा यात्रा दल, भामाशाह अशोक पाटनी ने किया पोस्टर विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया। धार्मिक पदयात्राओं तथा धार्मिक बस एवं रेल यात्राओं के माध्यम से जैन संस्कृति के संरक्षण एवं धर्म प्रभावना के लिए समर्पित वर्ष 1986 में स्थापित श्री दिगंबर जैन पदयात्रा संघ, जयपुर के तत्वावधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान महावीर के सिद्धांतों, अहिंसा एवं शाकाहार के प्रचार-प्रसार तथा विभिन्न सिद्ध एवं तीर्थ क्षेत्रों के दर्शन के लिए 12 दिवसीय धार्मिक यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यात्रा के दौरान श्रद्धालु जैन धर्म के शाश्वत सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेद शिखरजी की 27 किलोमीटर पर्वत वंदना भी करेंगे। संघ द्वारा 17 जून से 28 जून तक आयोजित इस 12 दिवसीय धार्मिक बस यात्रा के पोस्टर का विमोचन बड़ के बालाजी स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर चंद्रप्रभुजी में भामाशाह अशोक पाटनी (आर.के. मार्बल्स) द्वारा किया गया। इस अवसर पर आचार्य वर्धमान सागरजी महाराज ने यात्रा के लिए मंगल आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि धार्मिक यात्राओं एवं पदयात्राओं के माध्यम से जैन संस्कृति का संरक्षण होता है तथा जैन धर्म की प्रभावना को नई गति मिलती है। कार्यक्रम में भामाशाह अशोक पाटनी (आर.के. मार्बल्स), संघ के संरक्षक सुभाष चंद जैन, विवेक काला, विनोद जैन कोटखावदा, यात्रा संयोजक जिनेन्द्र जैन, प्रदीप जैन, मनीष बैद, राजेश रावका, कुशल ठोलिया, सुभाष बज, कमल वैद सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इससे पूर्व संरक्षक सुभाष चंद जैन के नेतृत्व में श्रीफल भेंट कर आचार्य संघ से मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया गया। उन्होंने बताया कि यह धार्मिक यात्रा भक्ति, साधना, तीर्थदर्शन एवं आत्मिक उन्नति का अनुपम संगम होगी। यात्रा दल के मुख्य संयोजक सुरेश ठोलिया ने बताया कि 12 दिवसीय धार्मिक यात्रा दल 17 जून (बुधवार) को सायंकाल भट्टारक जी की नसियां, जयपुर से वातानुकूलित बसों द्वारा रवाना होगा। प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा के अनुसार यात्रा दल जयपुर से प्रस्थान कर कौसमा, प्रभास गिरी, कौशांबी, मंदारगिरि, श्री सम्मेद शिखरजी, चंपापुर, गुणावा, नवादा, पावापुरी जल मंदिर, कुंडलपुर, नालंदा, राजगिरि, बोधगया, कोल्हुआ पहाड़, अयोध्या, अहिच्छत्र पार्श्वनाथ एवं मथुरा चौरासी सहित विभिन्न तीर्थों के दर्शन करते हुए 28 जून (रविवार) को जयपुर लौटेगा। यात्रा के दौरान श्रद्धालु जैन धर्म के बीस तीर्थंकरों की निर्वाण स्थली शाश्वत सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेद शिखरजी में 27 किलोमीटर की पर्वत वंदना हेतु पदयात्रा भी करेंगे। संयोजक सूर्य प्रकाश छाबड़ा ने बताया कि यात्रा के दौरान अभिषेक, शांतिधारा, सामूहिक पूजा-अर्चना, पर्वत वंदना, दिगंबर जैन साधु-संतों के दर्शन एवं प्रवचन लाभ के साथ-साथ भगवान महावीर के सिद्धांतों तथा अहिंसा और शाकाहार का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

भुवनेश्वर (उड़ीसा) में ज्ञान संस्कार शिक्षण शिविरों का शंखनाद

जैनत्व एवं नैतिक संस्कारों के साथ हुआ शिक्षण शिविरों का शुभारंभ

भुवनेश्वर. शाबाश इंडिया। सराकोद्धारक आचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर आचार्य श्री ज्ञेयसागरजी महाराज, गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी, गणिनी आर्यिका श्री आर्षमतिजी माताजी एवं आर्यिका श्री सुज्ञानमति माताजी के आशीर्वाद से भारतवर्षीय सराक ट्रस्ट एवं जैनम-फाउंडेशन, दिल्ली के तत्वावधान में भुवनेश्वर (उड़ीसा) के विभिन्न स्थानों पर 5 मई 2026 से ज्ञान संस्कार शिक्षण शिविरों का शुभारंभ किया गया। शिविरों में अध्यापन कार्य के लिए वरिष्ठ एवं युवा विद्वानों के साथ कला विशेषज्ञ विदुषी महिलाओं द्वारा भी योगदान दिया जा रहा है। शिक्षण शिविरों में ज्ञान दर्पण (भाग-1 एवं 2), पूजन प्रशिक्षण, मेहंदी, सिलाई, नृत्य सहित विभिन्न विषयों की कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। ज्ञान यज्ञ स्वरूप आयोजित इन शिविरों में अनेक श्रद्धालुओं ने धनराशि समर्पित कर सहयोग प्रदान किया। शिविर के मुख्य संयोजक मनीष विद्यार्थी सागर ने बताया कि परम पूज्य सराकोद्धारक आचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज की प्रेरणा से बंगाल, झारखंड एवं उड़ीसा क्षेत्र में पाठशालाओं, होम्योपैथिक अस्पतालों, मंदिरों, धर्मशालाओं तथा समाजहित के अनेक कार्यों का संचालन हुआ है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2000 से निरंतर शिक्षण शिविरों के माध्यम से बच्चों को धार्मिक एवं नैतिक शिक्षा देकर संस्कारित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में पाश्चात्य संस्कृति का बढ़ता प्रभाव चिंताजनक है। इसी कारण ग्रीष्मकालीन एवं शीतकालीन संस्कार शिविरों का नियमित आयोजन कर नई पीढ़ी को भारतीय एवं जैन संस्कृति से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। शिविर निदेशक ब्रह्मचारिणी मंजुला दीदी एवं ब्रह्मचारी मनीष भैया ने कहा कि आचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज ने संपूर्ण भारत में ज्ञान और शाकाहार का शंखनाद किया। हम सभी का भी कर्तव्य है कि उनके आदर्शों पर चलें तथा उनके द्वारा बताए गए मार्ग का स्वयं अनुसरण करते हुए समाज को भी प्रेरित करें।

विश्व योग दिवस कार्यक्रम के पोस्टर का हुआ विमोचन

यह जानकारी देते हुए नॉर्दर्न रीजन के चेयरमैन राजीव पाटनी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डॉ. राजीव जैन एवं अंजू जैन हैं...

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन, नॉर्दर्न रीजन के तत्वावधान में जैन सोशल ग्रुप महानगर एवं जैन सोशल ग्रुप अरिहंत के संयुक्त बैनर तले आगामी विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले योग कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन महावीर शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमरावमल सांघी एवं मंत्री सुनील बक्शी ने किया। यह जानकारी देते हुए नॉर्दर्न रीजन के चेयरमैन राजीव पाटनी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डॉ. राजीव जैन एवं अंजू जैन हैं। इस आयोजन में नॉर्दर्न रीजन से संबद्ध सभी जैन सोशल ग्रुप्स के सदस्य सक्रिय रूप से भाग लेंगे। इस अवसर पर चेयरमैन-इलेक्ट सुभाष बज, तरुण जैन, सुशील कासलीवाल, विनीत जैन, अशोक झांझरी, सुनील गोधा, प्रमोद गंगवाल, मुकेश पाटनी सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

विश्व कल्याण की कामना से महायज्ञ में दी गईं आहुतियां, कान्हा की माखन चोरी लीला ने मोहा मन

हनुमान टेकरी आश्रम में सप्तदिवसीय श्री विष्णु-लक्ष्मी महायज्ञ का पांचवां दिन

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर भगवान श्रीहरि एवं माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्ति के उद्देश्य से छोटी हरणी स्थित हनुमान टेकरी आश्रम में महंत बनवारीशरण काठियाबाबा के सान्निध्य में पहली बार आयोजित सात दिवसीय 11 कुंडीय श्री विष्णु-लक्ष्मी महायज्ञ का समापन रविवार को होगा। महायज्ञ के पांचवें दिन शुक्रवार को यज्ञवेदी में आहुतियां अर्पित कर विश्व कल्याण एवं समस्त प्राणीमात्र के सुख-समृद्धि की कामना की गई। महायज्ञ में भाग लेने के लिए भीलवाड़ा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में यजमान पहुंचे। महायज्ञ के साथ-साथ श्री राधा रासेश्वरी रासलीला मंडल, श्रीवृंदावन धाम (मथुरा) द्वारा भक्तिमय रासलीलाओं की मनमोहक प्रस्तुतियां भी निरंतर जारी हैं। महायज्ञ के पांचवें दिन प्रातः 8 बजे महंत बनवारीशरण काठियाबाबा के सान्निध्य में यज्ञ मंडप में श्री शारदा सनातन परमार्थ न्यास के वेदाचार्य पंडित मुकेश शास्त्री के निर्देशन में विधि-विधानपूर्वक यज्ञ अनुष्ठान संपन्न हुए। प्रत्येक यज्ञवेदी पर यजमानों के साथ लक्ष्मी स्वरूपा कन्याओं ने भी आहुतियां अर्पित कर सर्वजन कल्याण एवं विश्व शांति की मंगलकामना की। यज्ञाचार्य ने बताया कि प्रातःकालीन सत्र में सर्वप्रथम सभी यज्ञकर्ताओं का पवित्रीकरण कर पंचगव्य प्राशन कराया गया, जिसके उपरांत उन्हें यज्ञ मंडप में प्रवेश कराया गया। श्रद्धालुओं ने अपने-अपने मंडपों में बैठकर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन किया। कार्यक्रम का समापन आरती, पुष्पांजलि, यज्ञ मंडप की परिक्रमा एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ। महायज्ञ प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। इधर, गुरुवार रात्रि आश्रम परिसर में महंत बनवारीशरण काठियाबाबा के सान्निध्य में श्री राधा रासेश्वरी रासलीला मंडल, श्रीवृंदावन धाम (मथुरा) के कलाकारों ने भक्तिपूर्ण रासलीला के अंतर्गत कृष्ण बाललीला के माखन चोरी प्रसंग की सजीव एवं भावपूर्ण प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

न्यू इनकम टैक्स अध्ययन श्रृंखला का सफल समापन, विशेषज्ञों ने साझा किया व्यावहारिक मार्गदर्शन

ब्यावर. शाबाश इंडिया। द इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के ब्यावर चैप्टर द्वारा आयोजित छह दिवसीय ''न्यू इनकम टैक्स लर्निंग सीरीज'' का सफल समापन हुआ। अध्ययन श्रृंखला के दौरान चैप्टर चेयरमैन एवं मुख्य वक्ता सीएमए मितेश चोपड़ा ने न्यू इनकम टैक्स एक्ट, 2025 के विभिन्न प्रावधानों, नई कर व्यवस्था, अनुपालन संबंधी आवश्यकताओं, कर नियोजन के व्यावहारिक पहलुओं तथा महत्वपूर्ण विधिक प्रावधानों पर विस्तृत एवं उपयोगी जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सीएमए सदस्यों एवं कर क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों ने भाग लेकर नवीन कर कानूनों की गहन जानकारी प्राप्त की तथा अपने व्यावसायिक ज्ञान को अद्यतन किया। समापन समारोह में प्रोफेशनल डेवलपमेंट कमेटी के चेयरमैन सीएमए रूपेश कोठारी ने सभी प्रतिभागियों, पदाधिकारियों एवं मुख्य वक्ता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बदलते कर कानूनों और व्यावसायिक परिवेश में निरंतर अध्ययन, कौशल विकास तथा अद्यतन ज्ञान ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने सदस्यों से अपने पेशेवर दायित्वों के निर्वहन में गुणवत्ता, दक्षता एवं नैतिक मूल्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया। चैप्टर सचिव सीएमए शुभम सांखला ने अध्ययन श्रृंखला के सफल आयोजन के लिए चैप्टर चेयरमैन एवं मुख्य वक्ता सीएमए मितेश चोपड़ा, सभी प्रतिभागियों तथा आयोजन से जुड़े सदस्यों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों द्वारा प्राप्त ज्ञान को अपने पेशेवर कार्यों में प्रभावी रूप से उपयोग करने के संकल्प के साथ हुआ। — **अमित गोधा**

जयकारों के साथ हुआ आचार्य आदित्य सागर महाराज ससंघ का मान्यावास स्थित शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में मंगल प्रवेश

13 एवं 14 जून को मनाया जाएगा भव्य द्विदिवसीय वार्षिक उत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानसरोवर न्यू सांगानेर रोड स्थित इंजीनियर्स कॉलोनी, मान्यावास के श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में शुक्रवार प्रातः 8:15 बजे आचार्य श्री 108 आदित्य सागरजी महाराज ससंघ का बैंड-बाजों एवं जयकारों के बीच श्रद्धा और उत्साह के साथ भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इससे पूर्व आचार्य श्री ने प्रातः 6:00 बजे थड़ी मार्केट स्थित दिगंबर जैन मंदिर से विहार यात्रा प्रारंभ की। विहार यात्रा न्यू सांगानेर रोड, विजय पथ एवं वीटी रोड होते हुए प्रातः 7:15 बजे स्वर्ण पथ पहुंची, जहां इंजीनियर्स कॉलोनी जैन समाज ने नाचते-गाते एवं जयघोष के साथ भव्य अगवानी की। इसके पश्चात शोभायात्रा के रूप में बैंड-बाजों के साथ आचार्य संघ को श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर लाया गया, जहां विधिवत मंगल प्रवेश कराया गया। मंदिर पहुंचने के उपरांत आचार्य श्री ने जिनालय के दर्शन किए तथा धर्मसभा को संबोधित करते हुए धर्म, संयम एवं आत्मकल्याण के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कमलचंद छाबड़ा, अनिल बोहरा, जितेंद्र जैन, मयंक जैन, सुधीर जैन, सीए मनीष छाबड़ा, सपन जैन, रवि छाबड़ा, तारादेवी जैन, रेणु पाटनी, नीलम जैन, निशा जैन, रजनी जैन, ऋतु छाबड़ा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं समाजजन उपस्थित रहे। अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ के अध्यक्ष अभिषेक जैन 'बिट्टू' ने बताया कि मंदिर में 13 एवं 14 जून को भव्य द्विदिवसीय वार्षिक उत्सव आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन प्रतिष्ठाचार्य जिनेश भैया के मार्गदर्शन में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों, मंत्रोच्चारणों एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों के साथ संपन्न होगा। उन्होंने बताया कि शनिवार, 13 जून को प्रातः 7:30 बजे आचार्य श्री ससंघ के सान्निध्य में नवग्रह विधान पूजन का आयोजन होगा। सायंकाल 7:00 बजे संगीतमय भव्य महाआरती आयोजित की जाएगी, जिसमें श्रद्धालु अपने-अपने घरों से सुसज्जित आरती की थालियां लेकर सहभागिता करेंगे। महाआरती के पश्चात भक्तामर विधान का आयोजन होगा, जिसमें बड़ी संख्या में धर्मप्रेमियों के शामिल होने की संभावना है। वहीं रविवार, 14 जून को प्रातः 6:30 बजे भगवान शांतिनाथ के पंचामृत कलशाभिषेक एवं शांतिधारा का आयोजन किया जाएगा। इसके उपरांत प्रातः 7:15 बजे साजों-बाजों एवं मंगल ध्वनियों के मध्य शांतिनाथ महामंडल विधान का मंत्रोच्चारण एवं अष्टद्रव्य पूजन संपन्न होगा। विधान पूजन के दौरान भगवान शांतिनाथ स्वामी के मोक्ष कल्याणक पर्व के उपलक्ष्य में श्रद्धालुओं द्वारा मंत्रोच्चार के साथ निर्वाण लड्डू समर्पित किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान आचार्य श्री आदित्य सागरजी महाराज के मंगल प्रवचन भी आयोजित होंगे, जिनमें श्रद्धालुओं को धर्म, अध्यात्म, संयम एवं जीवन मूल्यों पर आधारित अमृतमयी वाणी का श्रवण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा।

अभिषेक जैन 'बिट्टू'
प्रचार संयोजक, मंदिर समिति, इंजीनियर्स कॉलोनी एवं अध्यक्ष, अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ

यादों की धुन से सजा अभिषेक सोनी का नया गीत 'याद सतावे' हुआ रिलीज

झीलों की नगरी की खूबसूरत वादियों में फिल्माया गया म्यूजिक वीडियो, दर्शकों को पसंद आ रही मेलोडी और विजुअल्स की जुगलबंदी

उदयपुर. शाबाश इंडिया

सोशल मीडिया की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुके उदयपुर के लोकप्रिय इन्फ्लुएंसर और उभरते कलाकार अभिषेक सोनी एक बार फिर अपने प्रशंसकों के लिए नया तोहफा लेकर आए हैं। उनका नया म्यूजिक वीडियो ''याद सतावे'' रिलीज होते ही दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। यह गीत प्रसिद्ध यूट्यूब चैनल ऑलवेज मिरेकल एंटरटेनमेंट पर जारी किया गया है और रिलीज के साथ ही इसे सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिलनी शुरू हो गई हैं। रोमांटिक भावनाओं और जुदाई के एहसास को बयां करता यह गीत अपनी मधुर धुन, भावपूर्ण बोल और आकर्षक प्रस्तुति के कारण श्रोताओं को प्रभावित कर रहा है। वीडियो में अभिषेक सोनी मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं, जहां उन्होंने अपने अभिनय से कहानी के भावों को प्रभावशाली ढंग से जीवंत किया है। उनके साथ सह-कलाकार रोजलिन की उपस्थिति भी गीत को और अधिक आकर्षक बनाती है। गीत को अपनी सुरीली आवाज से सजाया है जाने-माने गायक आसिफ नियाजी और गायिका श्रेया

पालीवाल ने। दोनों की गायकी ने गीत की भावनात्मक गहराई को और अधिक प्रभावी बना दिया है। वहीं, इस गीत के शब्द और संगीत हिमांक कलाल द्वारा तैयार किए गए हैं, जिन्होंने प्रेम और यादों के एहसास को सुरों में खूबसूरती से पिरोया है। 'याद सतावे' की एक और विशेषता इसका शानदार फिल्मांकन है। पूरे वीडियो की शूटिंग उदयपुर की मनमोहक लोकेशंस पर की गई है, जिससे झीलों की नगरी की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक आकर्षण को बखूबी दर्शाया गया है। उल्लेखनीय है कि वीडियो का निर्देशन उदयपुर के ही युवा फिल्ममेकर सुबास्तु पांडे ने किया है, जबकि इसकी सिनेमैटोग्राफी यशवंत साहू ने संभाली है। दोनों की रचनात्मक सोच और तकनीकी दक्षता ने गीत को एक बेहतरीन विजुअल अनुभव में बदल दिया है। लगातार नए प्रोजेक्ट्स के माध्यम से अपनी पहचान मजबूत कर रहे अभिषेक सोनी के लिए यह गीत करियर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। दर्शकों और प्रशंसकों का उत्साह देखकर यह उम्मीद जताई जा रही है कि ''याद सतावे'' आने वाले दिनों में सोशल मीडिया और म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स पर अपनी खास जगह बनाने में सफल रहेगा।

रिपोर्ट/फोटो राकेश शर्मा 'राजदीप'

रात की सड़कों पर गूंजेगी महिलाओं के आत्मविश्वास की कदमताल आज

'नाइट रन 2.0' के जरिए उदयपुर देगा महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण का संदेश, 300 से अधिक महिलाएं बनेंगी बदलाव की आवाज

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जब रात का अंधेरा शहर को अपनी आगोश में लेगा, तब उदयपुर की सड़कों पर महिलाओं के आत्मविश्वास, साहस और सशक्तिकरण की एक नई कहानी लिखी जाएगी। महिला सुरक्षा और जागरूकता को समर्पित 'नाइट रन 2.0' का आयोजन 13 जून को यशवंत फाउंडेशन के तत्वावधान में किया जा रहा है। बता दें, 'सेफ वूमेन, सेफ उदयपुर' की थीम पर आधारित इस अनूठी पहल में 300 से अधिक महिलाओं ने भागीदारी के लिए पंजीकरण कराया है। यह आयोजन केवल दौड़ तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में यह संदेश देने का प्रयास है कि महिलाएं दिन हो या रात, हर परिस्थिति में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकती हैं। इसी क्रम में शहर की महिलाएं महाकाल मंदिर से राजीव गांधी गार्डन तक दौड़ते हुए सुरक्षा, समानता और सशक्तीकरण का संदेश देंगी। कार्यक्रम का शुभारंभ शनिवार शाम 7:30 बजे होगा। इस आयोजन की मुख्य अतिथि मेवाड़ राजपरिवार की निवृत्ति कुमारी मेवाड़ की उपस्थिति प्रतिभागियों के लिए प्रेरणा

का स्रोत बनेगी और कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाएगी। यशवंत फाउंडेशन की संस्थापक कनिष्का श्रीमाली ने बताया कि 'नाइट रन 2.0' महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक सार्थक कदम है। उनका मानना है कि जब महिलाएं आत्मविश्वास के साथ सार्वजनिक स्थानों पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराती हैं, तब समाज में सकारात्मक परिवर्तन की शुरूआत होती है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए विभिन्न सामाजिक संगठनों, संस्थानों और उद्योग जगत से जुड़े अनेक लोगों का सहयोग मिल रहा है। यह सहभागिता दशार्ती है कि महिला सुरक्षा केवल महिलाओं का मुद्दा नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। यशवंत फाउंडेशन ने शहरवासियों से इस पहल का समर्थन करने की अपील करते हुए कहा है कि सुरक्षित और सशक्त समाज का निर्माण तभी संभव है, जब प्रत्येक नागरिक महिला सम्मान और सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बने। 'नाइट रन 2.0' इसी सोच को जन-जन तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम बनने जा रहा है।

रिपोर्ट : राकेश शर्मा 'राजदीप'